web: www.nyaysakshi.com || पृष्ठ-2 में पढ़ें संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-खाना खजाना-राशिफल || पृष्ठ-3 में पढ़ें छत्तीसगढ़-प्रादेशिक

Govt. Registered Social Justice Union

दैनिक न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 || Postal Registration No-055/Raigarh DN CG || रायगढ़, सोमवार 02 मार्च 2020 || पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए || वर्ष-02, अंक- 154

महत्वपूर्ण एवं खास

सीएए मामले पर पुलिस ने टकराव टालने के लिए लगाई धारा 144

» हिन्दू सेना ने शाहीन बाग में प्रदर्शन का किया था ऐलान

नईदिल्ली (आरएनएस)। नागरिकता संशोधन कानून और एनआरसी के विरोध में देश की राजधानी दिल्ली के शाहीन बाग इलाके में दो महीने से भी ज्यादा वक्त से लोग धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं। इस बीच, हिन्दू सेना ने शाहीन बाग में जवाबी विरोध-प्रदर्शन का ऐलान किया था। हालांकि, हिन्दू सेना ने 29 फरवरी को इस घोषणा को वापस ले लिया था। इसके बावजूद दिल्ली पुलिस ने एहतियातन इलाके में दिनभर के लिए धारा 144 लगा दिया है, ताकि एक जगह ज्यादा लोग इकट्ठा न हो सकें। बता दें कि उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हिंसा के खिलाफ शाहीन बाग के प्रदर्शनकारियों ने 1 मार्च को ही शांति मार्च निकालने की घोषणा की है। वहीं प्रदर्शनकारियो से पुलिस ने आग्रह किया है कि धारा 144 लागू होने कि वजह से वो अपना धरना खत्म कर दें। इसके साथ ही पुलिस ने चेतावनी दी है कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो कानूनी कारवाई की जाएगी। बताया ये भी जा रहा है कि हिंदू सेना ने अपने प्रदर्शन को कल ही रद्द कर दिया था लेकिन इसके बावजूद पुलिस किसी तरह का रिस्क नहीं लेना चाहती। जॉइंट कमिश्नर डीसी श्रीवास्तव का कहना है कि एहतियात के तौर पर, यहां भारी पुलिस तैनाती है। हमारा उद्देश्य कानून और व्यवस्था बनाए रखना है और किसी भी अप्रिय घटना को होने से रोकना है।

दिल्ली हिंसा में गोली से ज्यादा घातक साबित हुई गुलेल

नई दिल्ली (आरएनएस)। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के कई इलाकों में भड़की हिंसा के दौरान गोली-बम से ज्यादा घातक गुलेल साबित हुई है। यह कोई आम गुलेल नहीं थीं। ये गुलेल सैकड़ों की संख्या में मिली हैं। हिंसा की जांच कर रही दिल्ली पुलिस अपराध शाखा की एसआईटी को 10-15 घरों के बाद किसी न किसी एक घर की ऊंची छत पर गुलेल मिली है। मुस्तफाबाद, मौजपुर, करावल नगर, शिव विहार, कर्दमपुरी, सीलमपुर, ब्रह्मपुरी, भजनपुरा आदि इलाकों में सोमवार से फैली हिंसा की जांच शुक्रवार को शुरू हुई। एसआईटी में शामिल एक सहायक पुलिस आयुक्त स्तर के अधिकारी ने शनिवार को बताया कि एक टीम के कुछ पुलिस अफसर ताहिर हुसैन की भूमिका और आईबी के सुरक्षा सहायक अंकित शर्मा की मौत की जांच कर रही है। दूसरी टीम गोकुलपुरी सब-डिवीजन के एसीपी के रीडर हवलदार रतन लाल की मौत की जांच कर रही है। कुछ अन्य टीमें दूसरे इलाकों में फैले दंगे की जांच में जुटी हुई हैं। अपराध शाखा की टीम में शामिल एक सहायक पुलिस आयुक्त स्तर के अधिकारी ने बताया कि ओल्ड मुस्तफाबाद में छतों पर सबसे ज्यादा गुलेलों की बरामदगी हुई। इन्हीं गुलेलों के जरिए 24 और 25 फरवरी को हुए दंगों में तबाही मचाई गई थी।

जमीनी स्तर से आए एक लोकप्रिय नेता हैं नीतीश

» पीएम मोदी ने जन्मदिन पर बिहार के सीएम की प्रशंसा की

नईदिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के जन्मदिन पर राज्य में विकास के लिए उनके द्वारा उठाए गए कदमों के लिए उनकी प्रशंसा की। मोदी की यह प्रशंसा बिहार विधानसभा में राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) को राज्य में लागू नहीं करने का प्रस्ताव पारित करने के कुछ ही दिनों बाद आई है। बिहार विधानसभा में राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर) को मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली केंद्र की पूर्ववर्ती संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार द्वारा 2010 में लाए गए मानकों पर ही लागू करने का प्रस्ताव भी पारित किया।

बिहार के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने की उपलब्धि से सिर्फ कुछ महीने दूर कुमार रविवार को 69 साल के हो गए। कुमार को मेरे दोस्त बुलाते हुए मोदी ने कहा कि वे जमीनी स्तर से आए एक लोकप्रिय नेता हैं।

संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण आज से

» गृहमंत्री शाह के इस्तीफे की मांग पर विपक्ष करेगा हंगामा » दोनों सदनों में होगी दिल्ली की हिंसा व दंगे की गूंज

नई दिल्ली (आरएनएस)। सोमवार से संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण शुरू होने जा रहा है। इस दौरान कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्ष दिल्ली हिंसा के मुद्दे को जोर-शोर से उठाने जा रहा है, जिसमें केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग की जाएगी।

रविवार को यहां लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा है कि मोदी सरकार लॉ ऑर्डर के मुद्दे पर बुरी तरह से फेल हो गई है। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि हिंसा करने वालों और पुलिस अधिकारियों के एक सेक्शन के बीच किसी तरह की साठ गांठ रही होगी, इसकी वजह से हत्याएं हुई, आगजनी हुई। दिल्ली हिंसा के विरोध में प्रदर्शन करते कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने दावा किया कि दोनों सदनों में कार्यवाही स्थगन का नोटिस पेश करके गृहमंत्री के इस्तीफे की मांग की जाएगी। वहीं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद अभिषेक सिंघवी ने कहा कि कांग्रेस संसद में इस मुद्दे को उठाएगी और सरकार से जवाब मांगेगी। उन्होंने कहा कि हम देश को बता देना चाहते हैं कि हम अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी ताकत के साथ और बिना डरे हुए करेंगे। संसद में इस बात की संभावना बढ़ गई है कि दिल्ली में हुए सांप्रदायिक दंगों का मामला सोमवार को दोनों सदनों में पूरे जोरशोर से उठेगा, जिसमें कथित तौर पर दिल्ली पुलिस की नाकामी को जिम्मेदार ठहराते हुए गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग करेगी। संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण दो मार्च से 3 अप्रैल तक चलेगा। बजट सत्र का पहला चरण 31 जनवरी से 11 फरवरी तक चला था। कांग्रेस के सूत्रों ने रविवार को बताया कि पार्टी संसद के दोनों सदनों में सोमवार को कार्यस्थगन प्रस्ताव का नोटिस देकर दिल्ली में सांप्रदायिक हिंसा के मुद्दे पर बहस कराने की मांग कर सकती है। इस बीच लोकसभा में कांग्रेस संसदीय दल के नेता अधीर रंजन चौधरी ने भी कहा कि पार्टी दिल्ली के दंगों का मुद्दा संसद में जोरशोर से उठाएगी।

उधर सिंघवी ने कहा कि संसद के भीतर और बाहर विरोध का तरीका, साझा रणनीति का हिस्सा होगा और यह ऐसा विषय नहीं है जिसे सार्वजनिक किया जाए। देश इस बात के लिए आश्वस्त है कि हम गैरकानूनी तरीके से किए जा रहे चरम शोषण के बावजूद पूरी ताकत से बिना किसी भय के अपनी जिम्मेदारी को निभायेंगे। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों ने दिल्ली में दंगों के दौरान पुलिस पर पूर्वाग्रह पूर्ण रवैया अपनाते हुए कोई कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाया है। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी की अगुवाई वाले प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को केन्द्र सरकार को राजधर्म की याद दिलाते हुए राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से गृह मंत्री अमित शाह का इस्तीफा लेने की मांग की थी। कांग्रेस का आरोप है कि शाह ने इस मामले में अपने दायित्व का उचित निर्वाह नहीं किया है।

सिंगरौली में दो मालगाड़ियों की टक्कर, तीन लोको पायलट इंजन में फंसे

सिंगरौली (आरएनएस)। मध्यप्रदेश के सिंगरौली जिले रविवार सुबह ट्रेन हादसा हो गया। कोयला लेकर जा रही मालगाड़ी की दूसरी मालगाड़ी से आमने-सामने की टक्कर हो गई। इस हादसे में दोनों कार्गो ट्रेनों के लोको पायलट और एक सहायक लोको पायलट इंजन में ही फंस गए। घटना के बाद रेलवे अधिकारियों में भगदड़ मच गई। सूचना पर पुलिस भी मौके पर रवाना हो गई। एनटीपीसी की टीम और पुलिस बचाव अभियान चला रही है। बताया जा रहा है कि इस टक्कर में करोड़ों का नुकसान हुआ है। हालांकि नुकसान को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

जानकारी के अनुसार, सिंगरौली जिले के वैढन् थाना क्षेत्र के गनियारी बीजपुर रोड में कचरा प्लांट के पास रविवार की सुबह एनटीपीसी की कोयला परिवहन करने वाली दो मालगाडियों के बीच भीषण टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त हुई कि ट्रेनों के इंजन के परखच्चे उड़ गए। बताया जा रहा है कि बैढन् थाना क्षेत्र इलाके के रिहन्द नगर एक मालगाड़ी कोयला लेकर जा रही थी वहीं दूसरी खाली मालगाड़ी लौट रही थी। दोनों की रफ्तार बहुत तेज थी और टक्कर के बाद अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया और मालगाड़ी में सवार 3 कर्मचारी अंदर ही फंस गए। जिन्हें निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चल रहा है। टक्कर के बाद झटके से मालगाड़ी के डिब्बे पटरी से उतर गए। यह पहली बार है जब इस ट्रैक पर ऐसा हादसा हुआ है।

आरएसएस की बैठक में दिल्ली के दंगों का उठेगा मुद्दा

» 15 मार्च को बंगलूरु में होगी वार्षिक बैठक

नई दिल्ली (आरएनएस)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की निर्णय लेने वाली शीर्ष संस्था की 15 मार्च से शुरू होने वाली तीन दिवसीय वार्षिक बैठक की कार्यवाही में दिल्ली में सांप्रदायिक हिंसा और संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) के खिलाफ प्रदर्शन जैसे मुद्दे छाए रहने की संभावना है।

अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की वार्षिक बैठक बेंगलुरु में 15-17 मार्च को होगी। प्रतिनिधि सभा संघ की निर्णय लेने वाली शीर्ष संस्था है जो निर्णय लेने और भविष्य की कार्रवाई पर फैसला लेने के लिए साल में एक बार बैठक करती है। संघ से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा और पार्टी महासचिव (संगठन) बी एल संतोष के इस अहम बैठक में हिस्सा लेने की संभावना है। संघ के एक अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी ने बताया कि दिल्ली में हालिया हिंसा, कानून समेत कई मुद्दों पर बौद्धिक सत्र के दौरान चर्चा होने की संभावना है।

पाक की जवाबी कार्रवाई में भारतीय सेना ने की पांच चौकियां तबाह

जम्मू (आरएनएस)। शनिवार देर रात जम्मू के केरी बट्टल सेक्टर में पाकिस्तान द्वारा आतंकियों की घुसपैठ कराने के दौरान भारी गोलाबारी की। वहीं इसका भारतीय सेना ने मूंहतोड़ जवाब दिया। भारतीय सेना ने सरहद पार पाक सेना की पांच चौकियां तबाह कर दीं हैं। वहीं चार से पांच पाक सैनिकों के घायल होने की भी सूचना है। बता दें कि पाकिस्तान लम्बे समय से भारत में आतंकवादियों की गुपैठ कराने की कोशिश कर रहा है। इससे पहले शनिवार तड़के पुंछ जिले के बालाकोट और मेंढर सेक्टर में भारी गोलाबारी की थी। पाक सेना ने भारतीय सेना की अग्रिम चौकियों के साथ-साथ रिहायशी क्षेत्रों को निशाना बनाया था। पाक सेना ने कई मोर्टार भी दागे। भारतीय सेना ने भी जवाबी कार्रवाई शुरू कर दी। इस गोलाबारी की आड़ में घुसपैठ का प्रयास कर रहे आतंकियों का दल वापस पाक की ओर भगाने में भारतीय सेना सफल रही।

अबकी बार हिटलरशाही सरकार:सुरजेवाला

» छत्तीसगढ़ के अफसरों के घर इंकट टैक्स छापे पर नई दिल्ली में हुई पत्रवार्ता

» सुरजेवाला और पुनिया ने खोली पूर्ववर्ती भाजपा सरकार की कलई

» सीबीआई, आईटी के बाद अब सीआरपीएफ को भी भाजपा गठबंधन में शामिल करने का प्रयास

नई दिल्ली (आरएनएस)। कांग्रेस के प्रवक्ता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि 'अबकी बार हिटलरशाही सरकार' ये मौजूदा मोदी सरकार का नया नारा होना चाहिए।

छत्तीसगढ़ में पिछले चार दिनों से इंकम टैक्स विभाग व सीआरपीएफ जिस प्रकार से छत्तीसगढ़ की चुनी हुई प्रजातांत्रिक सरकार और पुलिस को बगैर सूचित किए भिन्न-भिन्न स्थानों पर रेड कर रही है और चार दिन तक और चार रातों तक वो रेड चली, ये दिखाता है कि मोदी सरकार अपने भ्रष्टाचार को उजागर होते हुए देख लड़खड़ा गई है। उन्होंने बताया कि देश को याद रहे कि छत्तीसगढ़ में 36 हजार करोड़ रुपए का अनुमानित नान घोटाला हुआ था, वो सारी डायरी, जो गलती से छत्तीसगढ़ की पुलिस के हाथ में आ गई थी, उनके सारे पन्ने एक पत्रकार गोष्ठी में उस समय के प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष भूपेश बघेल ने, सीएलपी लीडर टीएस सिंहदेव ने और मैंने आपके समक्ष रखे थे और मैं केवल आपको याद दिलवाऊँगा उन डायरी के पन्नो में क्या था? उन डायरी के पन्नों में एन्ट्री थी कि किस प्रकार से उस 36 हजार करोड़ का एक हिस्सा और ये साबित होना अभी बाकी है, कथित तौर से नागपुर और दिल्ली भाजपा कार्यालय में भेजा जा रहा था। उस डायरी के पन्नों में ये भी अंकित था कि किस प्रकार से 36 हजार करोड़ के नान घोटाले के भ्रष्टाचार का कथित पैसा दिल्ली के भारतीय जनता पार्टी के नेताओं तक आता था।

देशभर के विश्वविद्यालयों में मनेगा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

» एक से आठ मार्च तक मनाने के लिए जारी दिशानिर्देश

नई दिल्ली (आरएनएस)। आईआईटी, एनआईटी, आई आईआईटी, आईआईएसआर से लेकर सभी विश्वविद्यालयों में पहली बार एक साथ अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाएगा। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने सभी 750 विश्वविद्यालयों को पत्र लिखकर एक से आठ मार्च तक महिला दिवस से संबंधित कार्यक्रम अनिवार्य रूप से आयोजित करने के लिए कहा है। विवि प्रशासन को इसकी रिपोर्ट नौ मार्च शाम पांच बजे तक यूजीसी को भेजनी होगी।

यूजीसी के सचिव प्रो. रजनीश जैन की ओर से सभी कुलपतियों को पत्र लिख कर कहा गया है कि आठ मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर सरकार महिलाओं को हर क्षेत्र में सुरक्षा देने के साथ उन्हें उनके अधिकारों की जानकारी भी दिलवाना चाहती है। इसीलिए विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों को एक मार्च से आठ मार्च तक महिला दिवस संबंधी कार्यक्रम

आयोजन का आग्रह किया जाता है। विश्वविद्यालयों को अपने कैंपस में महिलाओं व छात्राओं को बताना होगा कि शोध छात्राओं को पोस्ट डोक्टरल फेलोशिप, सोशल साइंस में रिसर्च करने पर सिंगल गर्ल चाइल्ड में स्वामी विवेकानंद फेलोशिप, डेवलेपमेंट ऑफ वूमन स्टडीज में पीजी इंदिरा गांधी स्कॉलरशिप आदि समेत कई स्कॉलरशिप प्रदान की जाती हैं। यौन उत्पीड़न रोकने के लिए सरकार की योजनाओं के बारे में भी बताना होगा।

हवाई अड्डे पर उतरते ही शाह को दिखाए काले झंडे

कोलकाता (आरएनएस)। वाम दलों और कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन और काले झंडे दिखाए जाने के बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह रविवार को एक दिवसीय दौरे पर कोलकाता पहुंचे।

उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएस) के विशेष परिसर का भी उद्घाटन किया और वह शहीद मीनार मैदान में भाजपा की एक रैली को संबोधित करेंगे। वाम दलों के कार्यकर्ताओं ने अमित शाह वापस जाओ लिखे तख्तियों और पोस्टरों को थाम रखा था। उन्होंने भाजपा नेता का विमान नेता सुभाष चंद्र बोस अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे पर उतरते ही गेट नंबर एक के बाहर काले झंडे दिखाए।

मुकुल रॉय और बाबुल सुप्रियो सहित भाजपा के वरिष्ठ नेताओं द्वारा शाह का स्वागत किया गया था, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के नेतृत्व वाली वामपंथी पार्टी के कार्यकताओं ने हवाई अड्डे के करीब वीआईपी रोड और जेसोर रोड पर हंगामेदार विरोध प्रदर्शन किया।

शहर के विभिन्न हिस्सों में कई अन्य विरोध रैली और सभाएं आयोजित की जा रही हैं। वाम मोर्चा विधायक दल के नेता और माकपा विधायक सुजन चक्रवर्ती के नेतृत्व में, एक और रैली दक्षिण कोलकाता के संतोषपुर क्षेत्र में निकाली गई। उन्होंने कहा, यह हमारे लिए शर्म की बात है कि अमित शाह, जिनके हाथ दिल्ली में हुई हिंसा के खून से रंगे हैं, वहां हिंसा के तुरंत बाद कोलकाता आने की हिम्मत करते हैं। मुख्यमंत्री ममता बर्न ने भले ही उनके लिए लाल कालीन बिछाया हो, लेकिन युवा, छात्र, वाम कार्यकर्ता और लोकतंत्र-प्रेमी लोग उन्हें काले झंडे दिखाएंगे। एक वाम नेता ने कहा कि शहर में नौ पड़ावों पर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। कांग्रेस और उसके छात्र परिषद, महिला कांग्रेस और युवा कांग्रेस ने भी विरोध प्रदर्शन आयोजित किए हैं।

दिल्ली में 7 मार्च को मनाया जाएगा पूर्वांचल महोत्सव

» केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी होंगे शामिल

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली के इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र परिसर में सात मार्च को पूर्वांचल महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, बीजेपी सांसद रीता बहुगुणा जोशी, आम आदमी पार्टी के विधायक दिलीप पाण्डेय सहित कई अधिकारी और सिनेमा जगत के लोग शिरकत करेंगे। पूर्वांचल महोत्सव में गीत-संगीत, खान-पान, परिचर्चा के साथ-साथ पूर्वांचल का नाम रौशन करने वालों का सम्मान भी किया जाएगा। यहां बच्चों के खेल-कूद, बनारसी साड़ियों, निजामाबाद की मिट्टी के बर्तनों की नुमाइश के साथ फागुन के रास रंग की भी झलक देखने को मिलेगी। महोत्सव में पूर्वांचल की जीवन शैली और संस्कृति पर परिचर्चा होगी। साथ ही पूर्वांचल के प्रसिद्ध व्यंजन भी परोसे जाएंगे। कार्यक्रम का उद्घाटन बीजेपी सांसद रीता बहुगुणा जोशी और आईजीएनसीए के एमएस डॉ. सच्चिदानंद जोशी करेंगे। माटी सम्मान कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के हाथों पूर्वांचल का मान बढ़ाने वाले लोगों को सम्मानित किया जाएगा।

» भूपेश के करीबियों पर आईटी छापों से कांग्रेस नाराज » » राज्य की विधि व्यवस्था अपने हाथों में लेने की साजिश का आरोप

रमन सरकार के घोटालों की पोल खुलने से तिलमिलाई मोदी सरकार

नई दिल्ली (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के करीबियों के खिलाफ आय कर विभाग के छापों पर कांग्रेस ने गहरी नाराजगी जताई है। पार्टी के वरिष्ठ नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला और पीएल पूनिया ने कहा कि मोदी सरकार राज्य की पिछली सरकारों के घोटालों की भूपेश सरकार द्वारा जांच से घबरा गई है। इससे बचने के लिए अब मोदी सरकार राज्य की विधि व्यवस्था को अपने हाथों में लेना चाहती है।

दोनों नेताओं ने आय कर विभाग के छापों की कार्रवाई को विद्वेषपूर्ण बताते हुए इसे विधानसभा चुनाव में मिली हार की बौखलाहट बताया। सुरजेवाला ने कहा कि राज्य सरकार के खिलाफ सीआरपीएफ को भेजा जा रहा है जो किसी सीधे सीधे संविधान पर हमला है। सुरजेवाला ने कहा कि पनामा घोटाला मामले में पूर्ववर्ती मुख्यमंत्री रमन सिंह के तत्कालीन सांसद पुत्र का नाम आया था। मगर तब केंद्र सरकार जांच कराने के बदले हाथ पर हाथ धरे बैठी रही। दरअसल मोदी सरकार अपनी ही पार्टी की पूर्ववर्ती रमन सरकार के कई घोटालों से घबरा गई है। 36 हजार करोड़ के नान घोटाले की डायरी पकड़ी गई है। इन पैसों को बीजेपी और नागपुर भेजा जा रहा था। पनामा पेपर्स में पूर्व सीएम रमन सिंह के बेटे और भाजपा के सांसद के नाम आने की मोदी सरकार ने कभी जांच नहीं कराई। अब जब भूपेश सरकार पूर्ववर्ती सरकार के घोटालों की जांच कर रही है तब मोदी सरकार विद्वेषपूर्ण तरीकेसे आयकर विभाग और सीआरपीएफ का इस्तेमाल कर चार दिनों से छापे मार रही है।

सुरजेवाला ने आगे कहा कि छत्तीसगढ़ में बीजेपी की 15 साल की सरकार घोटालों की मॉडल सरकार रही है। नान घोटाले से पनामा पेपर्स समेत 21 घोटालों की जांच चल रही है। यह छापेमारी उसी को रोकने की कोशिश है। मोदी सरकार इन कार्रवाईयों के जरिए राज्य सरकार को धमकाने की कोशिश कर रही है। चुनावी हार और घोटालों की जांच से बौखलाई मोदी सरकार राज्य की विधि व्यवस्था को अपने हाथों में लेना चाह रही है। इसके अलावा दूसरी ओर मोदी सरकार भूपेश बघेल सरकार किसानों से 2500 रुपये प्रति क्विंटल धान खरीद योजना में भी रोड़े अटकाने की कोशिश कर रही है।

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस नेताओं व कार्यकर्ताओं ने बीते शनिवार इन छापों के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया था. सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने रायपुर में इनकम टैक्स ऑफिस की बैरिकेडिंग तोड़ दी थी. इस दौरान पुलिस के साथ उनकी झड़प भी हुई. उन्होंने गांधी मैदान में धरना दिया और फिर आयकर दफ्तर मार्च करते हुए पहुंचे. मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने दो दिन के लिए निर्धारित एक कैबिनेट बैठक रद्द कर दी और वह इस मामले में पार्टी आलाकमान से चर्चा के लिए दिल्ली आ गए।